NCERT

PW

UP CLASS 10

BOARD PHOD

संक्षिप्त परिचय और PYQs के साथ अध्यायवार प्रश्न बैंक

2026 परीक्षा

20 संक्षिप्त परिचय (लेखक एवं कवियों का)

हिन्दी

OMR शीट सहित

24 PYQ पेपर्स
अध्यायवार + संपूर्ण प्रश्न पत्र

मॉडल टेस्ट
UPMSP के नवीनतम पैटर्न पर आधारित

माध्यमिक शिक्षा परिषद् उ.प्र. द्वारा जारी नवीनतम पाठ्यक्रम के अनुसार

UP Board के अनुसार पाठ्यक्रम

हिन्दी

भारांक-{70 (वार्षिक बोर्ड परीक्षा)+30 (आंतरिक परीक्षा)}

निर्धारित समय- 3 घंटे भारांक-70

वार्षिक बोर्ड परीक्षा हेतु भार विभाजन				
खंड-अ (बहुविकल्पीय प्रश्न)				
	विषयवस्तु		उप भार	कुल भार
1.	हिन्दी गद्य के विकास का संक्षिप्त परिचय (शुक्ल युग तथा शुक्लोत्तर युग)		5	20
2.	हिन्दी पद्य के विकास का संक्षिप्त परिचय (रीतिकाल एवं आधुनिककाल)		5	
3.	काव्य सौन्दर्य के तत्व:			
	क	रस-हास्य एवं करूण रस (परिभाषा उदाहरण एवं पहचान)	1	
	ख	अलंकार-(अर्थालंकार) उपमा, रूपक उत्प्रेक्षा (लक्षण एवं उदाहरण)	1	
	ग	छन्द- सोरठा एवं रोला (लक्षण एवं उदाहरण)	1	
4.	हिन्दी व्याकरण:			
	शब्द रचना के तत्व:			
	क	उपसर्ग- अ, अन्, अधि, अप, अनु, उप, सह, निर, अभि, परि, सु इत्यादि	1	
	ख	समास- द्वन्द्व, द्विगु , कर्मधारय, बहुब्रीहि	1	
	ग	तद्भव, तत्सम शब्द एवं पर्यायवाची	1	
5.	संस्कृत व्याकरण			
	सर्वनाम- तद्, युष्मद्।		1	
6.	वाक्य का स्वरूप		1	
7.	वाच्य- प्रयोग और वाच्य परिवर्तन		1	
8.	पद परिचय- विकारी एवं अविकारी ॉाब्द		1	

खंड-ब (वर्णनात्मक प्रश्न)			
	विषयवस्तु	उप भार	कुल भार
1.	गद्य हेतु निर्धारित पाठ्यवस्तु से गद्यांश पर आधारित प्रश्न	6	50
2.	पद्य हेतु निर्धारित पाठ्यवस्तु से पद्यांश पर आधारित प्रश्न	6	

अध्यायवार विश्लेषण

विगत 4 वर्ष के प्रश्नपत्र

हिन्दी				
खंण्ड/विषय	**2022**	**2023**	**2024**	**2025**
पद्य बहुविकल्पीय प्रश्न	5	5	5	5
गद्य बहुविकल्पीय प्रश्न	5	5	5	5
रेखांकित गद्यांश	6	6	6	6
रेखांकित पद्यांश	6	6	6	6
खण्ड काव्य	3	3	3	3
पद्य जीवन परिचय	5	5	5	5
गद्य जीवन परिचय	5	5	5	5
व्याकरण खंड				
व्याकरण बहुविकल्पीय प्रश्न	7	8	9	9
निबंध लेखन	9	9	7	7
संस्कृत बहुविकल्पीय प्रश्न	3	2	4	4
अनिवर्य संस्कृत			1	1
संस्कृत अनुवाद गद्यांश	5	5		
संस्कृत अनुवाद पद्यांश	5	5	5	5
संस्कृत श्लोक	2	2	5	5
संस्कृत पाठ आधारित प्रश्न	4	4	2	2
संस्कृत पाठ आधारित प्रश्न	-	-	2	2
कुल	**70**	**70**	**70**	**70**

विषय-सूची

गद्य एवं पद्य का विकास

1. हिन्दी गद्य के विकास का संक्षिप्त परिचय........ 11-18
2. हिन्दी पद्य के विकास का संक्षिप्त परिचय 19-23

गद्य खण्ड

1. मित्रता 24-28
2. ममता 29-31
3. क्या लिखूँ? 32-35
4. भारतीय संस्कृति 36-39
5. ईर्ष्या, तू न गई मेरे मन से 40-43
6. अजन्ता 44-47
7. पानी में चंदा और चाँद पर आदमी........ 48-50

पद्य खण्ड

1. पद 51-54
2. धनुष-भंग, वन-पथ पर........ 55-58
3. सवैये, कवित्त........ 59-61
4. भक्ति, नीति 62-64
5. स्वदेश प्रेम 65-67
6. भारत माता का मन्दिर यह........ 68-69
7. हिमालय से/वर्षा सुन्दरी के प्रति 70-73
8. चींटी/चन्द्रलोक में प्रथम बार 74-76
9. पुष्प की अभिलाषा एवं जवानी 77-79

10. झाँसी की रानी की समाधि पर 80-82
11. युवा जंगल एवं भाषा एकमात्र अनन्त है 83-84
12. हल्दीघाटी 85-87
13. नदी 88-90

संस्कृत खण्ड

1. वाराणसी 91-92
2. देशभक्तः चन्द्रशेखरः 93-94
3. भारतीयाः संस्कृतिः 95-96
4. वीरः वीरेण पूज्यत 97-98
5. आरुणि-श्वेतकेतु संवाद 99
6. जीवन-सूत्राणि 100-101
7. प्रबुद्धो ग्रामीणः 102-103
8. केन किं वर्धते:? 104-105
9. अन्योक्तिविलासः 106-107

व्याकरण खण्ड

1. हिन्दी व्याकरण (शब्द रचना के तत्व) 108-115
2. काव्य सौन्दर्य के तत्व (रस, अलंकार, छन्द) 116-121
3. संस्कृत व्याकरण (सर्वनाम- तद्, युष्मद) 122-124
4. वाक्य का स्वरूप 125-128
5. वाच्य प्रयोग और वाच्य परिवर्तन 129-131
6. पद परिचय-विकारी एवं अविकारी शब्द 132-140
7. पत्र-लेखन 140-143
8. निबन्ध रचना 144-151

खण्डकाव्य

1. मुक्ति-दूत 152-154
2. ज्योति जवाहर 155-157

3. अग्रपूजा 158-161

4. मेवाड़ मुकुट 162-166

5. जय सुभाष 167-170

6. मातृभूमि के लिए 171-173

7. कर्मवीर भरत 174-177

8. कर्ण 178-182

8. तुमुल 183-188

अभ्यास प्रश्न प्रत्र

- अभ्यास प्रश्न प्रत्र–1 189-192
- अभ्यास प्रश्न प्रत्र–2 193-195

विगत वर्ष के प्रश्न-पत्र

- यूपी बोर्ड विगत वर्ष के प्रश्न–पत्र (Set 825-BB) 2025 196-199
- यूपी बोर्ड विगत वर्ष के प्रश्न–पत्र (Set 825-BC) 2025 200-203

विगत वर्षों के प्रश्न-पत्र

- यूपी बोर्ड विगत वर्ष के प्रश्न–पत्र 2025 (BB)
- यूपी बोर्ड विगत वर्ष के प्रश्न–पत्र 2025 (BC)
- यूपी बोर्ड विगत वर्ष के प्रश्न–पत्र 2025 (BE)
- यूपी बोर्ड विगत वर्ष के प्रश्न–पत्र 2024 (BF)
- यूपी बोर्ड विगत वर्ष के प्रश्न–पत्र 2024 (HA)
- यूपी बोर्ड विगत वर्ष के प्रश्न–पत्र 2024 (HB)
- यूपी बोर्ड विगत वर्ष के प्रश्न–पत्र 2024 (HC)
- यूपी बोर्ड विगत वर्ष के प्रश्न–पत्र 2024 (IZ)

हिन्दी गद्य के विकास का संक्षिप्त परिचय

1

गद्य क्या है?

गद्य वह रचना है जिसमें छन्द, लय, ताल और तुकबंदी का बंधन नहीं होता। इसका उद्देश्य विचारों और भावों को सहज, सामान्य और स्पष्ट भाषा में व्यक्त करना है। रोजमर्रा की बातचीत से लेकर विज्ञान, इतिहास, कथा, नाटक, उपन्यास आदि सभी जगह गद्य का प्रयोग होता है।

हिन्दी गद्य की उत्पत्ति

हिन्दी गद्य का विकास मुख्य रूप से उन्नीसवीं शताब्दी में हुआ। उस समय देश मध्यकालीन परंपराओं और रूढ़ियों से निकलकर नए सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा था। यही दौर हिन्दी गद्य के वास्तविक आविर्भाव का समय माना जाता है।

गद्य के प्रारम्भिक रूप हमें राजस्थानी, मैथिली और ब्रजभाषा जैसी बोलियों में मिलते हैं। राजस्थानी गद्य के प्रमाण दसवीं शताब्दी से दान-पत्रों, पट्टों, परवानों, टीकाओं और अनुवाद ग्रंथों के रूप में उपलब्ध हैं। वहीं ब्रजभाषा गद्य का प्रारम्भ लगभग विक्रम संवत् 1400 के आसपास माना जाता है।

- खड़ीबोली गद्य का क्रमबद्ध विकास 19वीं शताब्दी में हुआ। इसके आरम्भिक लेखक थे- सदासुखलाल, इंशाअल्ला खाँ, लल्लूलाल और सदल मिश्र।
- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (1850–1885) ने हिन्दी गद्य को सजीव, संतुलित और आधुनिक रूप दिया। उन्हें आधुनिक हिन्दी साहित्य का जनक माना जाता है।
- महावीरप्रसाद द्विवेदी (1864–1938) ने सरस्वती पत्रिका के माध्यम से भाषा-परिमार्जन और गद्य के विविध रूपों को स्थापित किया।
- उपन्यास, कहानी, नाटक, निबन्ध आदि विधाओं का विकास इसी काल से तीव्र हुआ।
- आगे चलकर पत्र-पत्रिकाओं और अनेक लेखकों के योगदान से हिन्दी गद्य का व्यापक और सर्वतोमुखी विकास हुआ।

गद्य और पद्य में अंतर

गद्य विचारों की सरल और स्पष्ट अभिव्यक्ति है, जबकि पद्य भावों और कल्पना की कलात्मक और सौन्दर्यमयी अभिव्यक्ति है।

आधार	गद्य	पद्य
विषयवस्तु	विचार-प्रधान	भाव-प्रधान
भाषा	स्पष्ट, सरल, व्याकरणसम्मत और विस्तृत	संक्षिप्त, संकेतात्मक, भावात्मक और अलंकृत
अभिव्यक्ति	तर्क, बुद्धि, विवेक और यथार्थ पर आधारित	कल्पना, अनुभूति, सौन्दर्य और संवेदना पर आधारित
शब्द प्रयोग	सामान्य शब्द और वाक्य	विशिष्ट, कलात्मक और उक्ति-वैचित्र्य से युक्त
वाक्य रचना	वाक्य प्रायः पूर्ण होते हैं	वाक्य प्रायः अपूर्ण रहते हैं
व्याकरण	व्याकरण के नियमों का पालन आवश्यक	व्याकरण की बन्धनशीलता कम
प्रस्तुति का रूप	तथ्यात्मक, वस्तुपरक और विस्तारपूर्ण	सूक्ष्म, प्रतीकात्मक और कल्पनापूर्ण

हिन्दी खड़ी बोली गद्य का विकास

19वीं शताब्दी के मध्य में हिन्दी गद्य के विकास में दो धाराएँ उभरीं-

- राजा शिवप्रसाद 'सितारे हिन्द' (1823-1895) ने अरबी-फारसी मिश्रित गद्य का समर्थन किया।
- राजा लक्ष्मण सिंह (1826-1896) ने संस्कृतगर्भित, शुद्ध हिन्दी गद्य को प्रतिष्ठा दी।

1. **भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (1850-1885):** उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र हिन्दी गद्य के आकाश पर एक उज्ज्वल नक्षत्र की तरह प्रकट हुए। उन्होंने पूर्ववर्ती दोषों से बचते हुए हिन्दी गद्य का सन्तुलित और शिष्ट रूप प्रस्तुत किया। उनकी भाषा में संस्कृत, तद्भव, देशज, विदेशी शब्दों के साथ मुहावरों और कहावतों का प्रयोग मिलता है, जिससे भाषा सजीव और सरल हो गई।

   भारतेन्दु ने हिन्दी को इतिहास, भूगोल, विज्ञान, धर्म, पुराण, नाटक, उपन्यास, निबन्ध, पुरातत्त्व आदि अनेक विषयों की अभिव्यक्ति का माध्यम बनाया। उन्हें आधुनिक हिन्दी साहित्य का जनक माना जाता है।

   उनके नेतृत्व में अनेक लेखक सामने आए-श्रीनिवासदास, बालकृष्ण भट्ट, प्रतापनारायण मिश्र, राधाकृष्णदास, कार्तिकप्रसाद खत्री, राधाचरण गोस्वामी, बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' आदि।

   मुख्य रचनाएँ: भारत-दुर्दशा, कलिकौतुक, परीक्षा गुरु, चंद्रकांता, कविवचन सुधा, हरिश्चंद्र ऋषि आदि।

2. **द्विवेदी युग (1900-1918 ई.):** भारतेन्दु युग के बाद महावीर प्रसाद द्विवेदी ने हिन्दी गद्य को नई दिशा दी। वे सरस्वती पत्रिका के संपादक रहे और इसके माध्यम से भाषा को परिष्कृत, सुसंगठित और साहित्यिक रूप दिया। इस काल में हिन्दी गद्य का आधार मजबूत हुआ और विविध विधाओं-निबन्ध, उपन्यास, कहानी, नाटक आदि-का विकास हुआ।

   प्रमुख गद्य लेखक: प्रेमचन्द, जयशंकर प्रसाद, बालमुकुन्द गुप्त, पद्मसिंह शर्मा, बाबू श्यामसुन्दर दास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, पूर्णसिंह, यशोदानन्दन अखौरी आदि।

   उपन्यासकार: प्रेमचन्द, किशोरीलाल गोस्वामी, गोपालराम गहमरी, वृन्दावनलाल वर्मा, विश्वम्भरनाथ कौशिक, आचार्य चतुरसेन शास्त्री आदि।

   कहानीकार: प्रेमचन्द, जयशंकर प्रसाद, चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी', सुदर्शन, जैनेन्द्र कुमार, चतुरसेन शास्त्री, भगवती प्रसाद वाजपेयी, भगवतीचरण वर्मा, राहुल सांकृत्यायन, यशपाल, इलाचन्द्र जोशी, अमृतलाल नागर आदि।

   नाटककार: लक्ष्मीनारायण मिश्र, हरिकृष्ण प्रेमी, रामकुमार वर्मा, उदयशंकर भट्ट, उपेन्द्रनाथ 'अश्क' आदि ।

   द्विवेदी युग की रचनाएँ और पत्रिकाएँ:

   द्विवेदी युग में हिन्दी गद्य को समृद्ध करने वाली कई महत्त्वपूर्ण रचनाएँ सामने आई। इनमें रूपक रहस्य, उसने कहा था, शिवशम्भु का चिट्ठा, सच्ची वीरता, बेकसूर की फाँसी आदि विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। इस दौर में साहित्य के प्रचार-प्रसार में पत्रिकाओं ने बड़ी भूमिका निभाई। सरस्वती, इन्दु, मर्यादा, माधुरी, सुदर्शन, प्रभा और समालोचक जैसी पत्रिकाओं ने न केवल साहित्यिक चेतना जगाई, बल्कि लेखकों और पाठकों के बीच सेतु का काम भी किया।

3. **शुक्ल (छायावादी) युग:** 1919 से 1938 ई.: इस काल को आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के योगदान के कारण शुक्ल युग कहा जाता है। इसे छायावादी युग, प्रसाद युग और प्रेमचन्द युग भी कहते हैं। 1919 के जलियाँवाला बाग काण्ड ने राष्ट्रीय चेतना को और प्रबल बनाया। साहित्य में पराधीनता की पीड़ा और स्वतंत्रता की आकांक्षा गहराई से अभिव्यक्त हुई। इस युग का गद्य अधिक कलात्मक, भावपूर्ण और चित्रणप्रधान हो गया।

   प्रमुख लेखक: आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, प्रेमचन्द, जयशंकर प्रसाद, माखनलाल चतुर्वेदी, महादेवी वर्मा, निराला, सुमित्रानन्दन पन्त, वियोगी हरि आदि।

   प्रमुख रचनाएँ:

   निबन्ध: चिन्तामणि (शुक्ल), ठलुआ क्लब (गुलाब राय)
   उपन्यास: गबन (प्रेमचन्द), आत्मदाह (चतुरसेन)
   कहानी: पंच परमेश्वर (प्रेमचन्द), पुरस्कार (प्रसाद)
   नाटक: चन्द्रगुप्त (प्रसाद), प्रतिशोध (हरिकृष्ण प्रेमी)

   अन्य रचनाकार:

   निबन्धकार: गुलाबराय, राहुल सांकृत्यायन, हजारीप्रसाद द्विवेदी
   एकांकीकार: प्रसाद, उपेन्द्रनाथ अश्क, विष्णु प्रभाकर
   उपन्यासकार: प्रेमचन्द, चतुरसेन, भगवतीचरण वर्मा
   कहानीकार: प्रेमचन्द, उग्र, रायकृष्णदास, पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

4. **शुक्लोत्तर युग/प्रगतिवादी युग (1938-1947):** इस दौर में गद्य ने अलंकारों से मुक्त होकर सहज और व्यावहारिक रूप अपनाया। इस युग के प्रमुख लेखक थे- पद्मसिंह शर्मा, बनारसीदास चतुर्वेदी, अमृत. राय, 'उग्र', बच्चन, महादेवी वर्मा, रामवृक्ष बेनीपुरी, कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर आदि।

   प्रमुख रचनाएँ: अशोक के फूल, विपथगा, दादा कामरेड, विचार और अनुभूति, गेहूँ बनाम गुलाब, कलम का सिपाही, नीड़ का निर्माण फिर, निराला की साहित्य साधना, दीप जले शंख बजे।

5. **वर्तमान युग/स्वातन्त्र्योत्तर युग (1947 से अब तक):** स्वतंत्रता के बाद हिन्दी गद्य और अधिक विस्तृत हुआ। निबंध, नाटक, कहानी, उप. न्यास सहित अनेक विधाओं में उल्लेखनीय कृतियाँ आई। प्रमुख लेखक हैं- विष्णु प्रभाकर, जगदीशचन्द्र माथुर, धर्मवीर भारती, मोहन राकेश, जैनेन्द्र कुमार, अज्ञेय, मन्नू भंडारी, यशपाल, अमृतलाल नागर, हरिशंकर परसाई आदि।

   प्रमुख रचनाएँ: गुनाहों के देवता, संस्कृति के चार अध्याय, लहरों के राजहंस, आवारा मसीहा, शेखर: एक जीवनी, भोर का तारा।

   हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएँ-

   निबन्ध: किसी विषय की सुव्यवस्थित व्याख्या। चार प्रकार:

   1. विचारात्मक (तर्कप्रधान),
   2. भावात्मक (हृदयस्पर्शी),
   3. वर्णनात्मक (दृश्य/व्यक्ति का चित्रण),
   4. विवरणात्मक (घटनाओं/यात्राओं का विवरण)।

कहानी: घटनाओं व पात्रों के माध्यम से जीवन या समाज का चित्रण। प्रकार- ऐतिहासिक, सामाजिक, यथार्थवादी आदि।

लघुकथा: छोटी रचना, आधुनिक जीवन की पीड़ा का चित्रण।

भेंटवार्ता: किसी व्यक्ति के विचार व जीवन को प्रश्नोत्तर रूप में प्रस्तुत करना।

उपन्यास: विस्तृत कथा-विधा। प्रथम उपन्यास परीक्षा गुरु। प्रेमचन्द, प्रसाद, अज्ञेय आदि प्रमुख उपन्यासकार।

आलोचना: साहित्य की परख। शुक्ल, द्विवेदी, नामवर सिंह आदि आलोचक।

नाटक: मंच पर अभिनय योग्य रचना। भारतेन्दु से शुरुआत, प्रसाद व मोहन राकेश तक विकास।

एकांकी: एक अंक में पूरी होने वाली लघु नाटकीय रचना।

जीवनी: किसी महापुरुष का जीवन-वृत्तान्त।

आत्मकथा: लेखक का स्वयं का जीवन-वर्णन।

पत्र-साहित्य: व्यक्तिगत या सार्वजनिक पत्र, साहित्यिक महत्त्व के साथ।

डायरी: दैनिक घटनाओं का भावपूर्ण लेखा-जोखा।

रेखाचित्र: किसी व्यक्ति/वस्तु का शब्दों द्वारा सजीव चित्रण।

संस्मरण: किसी व्यक्ति या घटना का आत्मीय विवरण।

यात्रा-साहित्य: यात्रा के अनुभवों और दृश्यों का वर्णन।

रिपोर्ताज: किसी घटना का प्रत्यक्ष विवरण।

गद्य-काव्य (गद्यगीत): गद्य और काव्य का मिश्रण, भावपूर्ण गद्य।

सारणी: लेखक, उनकी कृतियाँ एवं विधा		
लेखक	**कृतियाँ**	**विधा**
रामप्रसाद(निरंजनी)	भाषायोगवाशिष्ठ *(2012)*	खड़ी बोली गद्य
दौलतराम	पद्म पुराण	भाषानुवाद
मथुरानाथ शुक्ल	पंचांग दर्शन *(2013)*	भाषानुवाद
इंशा अल्ला खाँ	रानी केतकी की कहानी *(2015)*	कहानी
मुंशी सदासुखलाल	सुख सागर	खड़ी बोली गद्य
लल्लूलाल	प्रेम सागर	कहानी
सदल मिश्र	निसाकेतोपाख्यान	आख्यान
जटमल	गोरा बादल की कथा	खड़ी बोली गद्य
विट्ठलनाथ	श्रृंगार रस मण्डन *(2015)*	ब्रजभाषा गद्य
गोकुलनाथ	चौरासी वैष्णवन की वार्ता, दो सौ बावन वैष्णवन की वार्ता	गद्य साहित्य
नाभादास	अष्टयाम	ब्रजभाषा गद्य
बैकुण्ठमणि शुक्ल	अगहन महात्म्य, वैशाख महात्म्य	ब्रजभाषा गद्य
लल्लूलाल	माधव विलास	ब्रजभाषा गद्य
बनारसी दास	बनारसी विलास	ब्रजभाषा गद्य
वैष्णव दास	भक्त माल प्रसंग	ब्रजभाषा गद्य
गंग	चन्द छन्द बरनन की महिमा	खड़ी बोली गद्य

लेखक	कृतियाँ	विधा
देवकीनन्दन खत्री	चन्द्रकान्ता	उपन्यास
राजा शिवप्रसाद (सितारे हिन्द)	राजा भोज का सपना	कहानी
राजा लक्ष्मण सिंह	शकुंतला	नाटक
किशोरीलाल गोस्वामी	इंदुमती	कहानी
श्रीनिवासदास	परीक्षा गुरु *(2022, 13)*	उपन्यास
स्वामी दयानन्द सरस्वती	सत्यार्थ प्रकाश	धार्मिक ग्रन्थ
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	अँधेर नगरी, सत्य हरिश्चन्द्र, भारत दुर्दशा, वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति, दिल्ली दरबार, दर्पण, मदालसा, सुलोचना	नाटक/ निबन्ध-संग्रह
प्रतापनारायण मिश्र	हठी हम्मीर, संगीत शकुन्तला, कलिकौतुक	नाटक/ पद्य-नाटक
श्यामसुन्दर दास	रहस्य रूपक, साहित्यालोचन, हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास	आलोचना/ इतिहास

लेखक	कृतियाँ	विधा
हजारीप्रसाद द्विवेदी	कुटज *(2015)*, कल्पलता *(2022)* अशोक के फूल, विचार प्रवाह *(2013, 11)* पुनर्नवा, बाणभट्ट की आत्मकथा *(2024, 20, 17)*, चारुचन्द्र लेख, अनामदास का पोथा *V. Imp (2016, 15, 10)* हिन्दी साहित्य की भूमिका, हिन्दी साहित्य का आदिकाल	निबन्ध उपन्यास इतिहास
	हिन्दी साहित्य, कबीर, सूरसाहित्य, नाथ, सिद्धों की बानियाँ	आलोचना
रामवृक्ष बेनीपुरी	गेहूँ और गुलाब *(2016)* पतितों के देश में *(2016)* चिता के फूल माटी की मूरतें *(2016)* अम्बपाला पैरों में पंख बाँधकर *(2016)*	निबन्ध उपन्यास कहानी रेखचित्र नाटक यात्रावृत
धर्मवीर भारती	गुनाहों का देवता *Imp (2022, 11)* सूरज का सातवाँ घोड़ा *(2011)* अन्धायुग *(2011)* नदी प्यासी थी *Imp (2022, 10)* ठेले पर हिमालय, कहनी अनकहनी पश्यन्ती चाँद और टूटे हुए लोग नीली झील मानव मूल्य और साहित्य	उपन्यास नाटक निबन्ध कहानी-संग्रह एकांकी आलोचना
लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय	फोर्ट विलियम कॉलेज हिन्दी साहित्य का इतिहास	आलोचना इतिहास
वृन्दावनलाल वर्मा	मृगनयनी *(2016; 13)*	उपन्यास
विष्णु प्रभाकर	आवारा मसीहा *V- Imp (2022, 20, 15)*	जीवनी
मोहन राकेश	आषाढ़ का एक दिन, *(2013)* लहरों के राजहंस	नाटक
अमृतराय	कलम का सिपाही *Imp (2017, 12)*	जीवनी
पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'	अपनी खबर	आत्मकथा
हरिवंशराय 'बच्चन'	क्या भूलूँ क्या याद करूँ?,*(2020, 17)* नीड़ का निर्माण फिर *V- Imp (2022, 14, 13, 12)*	आत्मकथा
डॉ. रामकुमार वर्मा	दीपदान, *(2017)* पृथ्वीराज की आँखें	एकांकी
देवकीनन्दन खत्री	चन्द्रकान्ता सन्तति, भूतनाथ *(2012)*	उपन्यास
अज्ञेय	शेखर : एक जीवनी *(2013, 11)*	उपन्यास

लेखक	कृतियाँ	विधा
चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'	उसने कहा था *(2013)*	कहानी
राहुल सांकृत्यायन	मेरी लद्दाख यात्रा, *(2014)*	यात्रा साहित्य
	मेरी तिब्बत यात्रा *(2015)*	
डॉ. नामवर सिंह	कविता के नए प्रतिमान *(2013)*	आलोचना
जैनेन्द्र कुमार	चिड़िया की बच्ची	कहानी
	त्यागपत्र ***V- Imp (2022, 14, 13)***	उपन्यास
फणीश्वरनाथ 'रेणु'	मैला आँचल ***V- Imp (2023, 19, 15)***	उपन्यास
किशोरीलाल गोस्वामी	इन्दुमती *(2015)*	कहानी
भारतेंदु हरिश्चन्द्र	दुर्दशा, वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति,	निबन्ध-संग्रह
	दिल्ली दरबार, दर्पण, मदालसा, सुलोचना	
प्रतापनारायण मिश्र	हठी हम्मीर, संगीत शकुन्तला	नाटक
	कलिकौतुक	पद्य-नाटक
	हमारा कर्त्तव्य और युग धर्म	निबन्ध
श्यामसुन्दर दास	रहस्य रूपक, साहित्यालोचन *(2015)*	आलोचना
	हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास	इतिहास
	भाषा विज्ञान *(2016)*	
	भाषा रहस्य	भाषा विज्ञान
	वैज्ञानिक कोश, हिन्दी शब्द सागर	कोश
प्रेमचन्द	गोदान ***Imp (2020, 12,***	उपन्यास
	गबन *(2011)*	उपन्यास
	कर्मभूमि *(2011)*	उपन्यास
	रंगभूमि, सेवासदन, *(2023, 11)*	

लेखक	कृतियाँ	विधा
	प्रेमाश्रम, निर्मला, *(2022)*	
	प्रेम की वेदी, संग्राम, 'कर्बला'	नाटक
	मानसरोवर (आठ भाग)	कहानी-संग्रह
	पूस की रात, प्रेमांजलि कुछ विचार *(2024)*	कहानी, निबन्ध
वियोगी हरि	श्रद्धाकण, प्रार्थना, अन्तर्नाद,	गद्य-काव्य
	शुद्ध वाणी, उद्यान, भावना	उपदेश
हरिभाऊ उपाध्याय	सर्वोदय की बुनियाद,	निबन्ध
	स्वतन्त्रता की ओर	
	पुण्य स्मरण, *(2010)*	संस्मरण
	बापू के आश्रम में *(2010)*	
गुलाबराय	नर से नारायण, ठलुआ क्लब ***Imp (2022, 17)***	निबन्ध
	मेरे निबन्ध, मन की बातें	
	मेरी असफलताएँ ***V Imp (2016, 14, 11, 10)***	आत्मकथा
	हिन्दी काव्य विमर्श	आलोचना
	सिद्धान्त और अध्ययन	
	नवरस, हिन्दी नाट्य विमर्श, आलोचक	इतिहास
	रामचन्द्र शुक्ल	
	हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास	
विनोबा भावे	भूदान यज्ञ, गंगा, गीता प्रवचन, जीवन और शिक्षण, गाँव सुखी हम सुखी, चिर-तारुण्य की साधना, विनोबा के विचार, आत्मज्ञान और विज्ञान	उपदेश
	राजघाट की सन्निधि में	संस्मरण

अभ्यास प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. गद्य का मुख्य उद्देश्य है-

(*a*) कल्पना और भावों की कलात्मक अभिव्यक्ति

(*b*) विचारों और भावों को सहज, सामान्य और स्पष्ट भाषा में व्यक्त करना

(*c*) लय, ताल और तुकबंदी का निर्माण करना

(*d*) रस और अलंकारों का प्रयोग करना

2. हिन्दी गद्य का वास्तविक आविर्भाव किस शताब्दी में माना जाता है?

(*a*) अठारहवीं शताब्दी (*b*) उन्नीसवीं शताब्दी

(*c*) बीसवीं शताब्दी (*d*) सत्रहवीं शताब्दी

3. 'शुक्ल युग' का अन्य नाम कौन-सा है?

(*a*) प्रसाद युग (*b*) प्रेमचन्द युग

(*c*) छायावाद युग (*d*) ये सभी

4. ब्रजभाषा गद्य का प्रारम्भ लगभग कब माना जाता है?

(*a*) विक्रम संवत् 1000 (*b*) विक्रम संवत् 1200

(*c*) विक्रम संवत् 1400 (*d*) विक्रम संवत् 1600

5. खड़ीबोली गद्य का क्रमबद्ध विकास किस शताब्दी में हुआ?
(a) 18वीं शताब्दी (b) 19वीं शताब्दी
(c) 20वीं शताब्दी (d) 21वीं शताब्दी

6. खड़ीबोली गद्य के आरम्भिक लेखक कौन नहीं हैं?
(a) सदासुखलाल (b) इंशाअल्ला खाँ
(c) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (d) लल्लूलाल

7. आधुनिक हिन्दी साहित्य का जनक किसे कहा जाता है?
(a) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (b) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(c) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (d) प्रेमचन्द

8. 'सरस्वती' पत्रिका के संपादक कौन थे?
(a) बालकृष्ण भट्ट (b) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(c) प्रतापनारायण मिश्र (d) पद्मसिंह शर्मा

9. उपन्यास, कहानी, नाटक, निबन्ध आदि विधाओं का तीव्र विकास किस काल से हुआ?
(a) भारतेन्दु युग (b) द्विवेदी युग
(c) शुक्ल युग (d) प्रगतिवादी युग

10. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की प्रमुख रचना कौन-सी है?
(a) गबन (b) भारत-दुर्दशा
(c) रूपक रहस्य (d) गुनाहों के देवता

11. द्विवेदी युग का काल कब माना जाता है?
(a) 1850-1885 ई० (b) 1900-1918 ई०
(c) 1919-1938 ई० (d) 1938-1947 ई०

12. 'उसने कहा था' कहानी किस युग की है?
(a) भारतेन्दु युग (b) द्विवेदी युग
(c) शुक्ल युग (d) प्रगतिवादी युग

13. शुक्ल (छायावादी) युग का काल है-
(a) 1900-1918 ई० (b) 1919-1938 ई०
(c) 1938-1947 ई० (d) 1947 से अद्यतन

14. शुक्ल युग का गद्य कैसा हो गया था?
(a) अलंकारविहीन और सहज
(b) कलात्मक, भावपूर्ण और चित्रणप्रधान
(c) केवल तर्कप्रधान
(d) केवल धार्मिक

15. 'गबन' उपन्यास के लेखक हैं-
(a) जयशंकर प्रसाद (b) प्रेमचन्द
(c) भगवतीचरण वर्मा (d) चतुरसेन शास्त्री

16. शुक्लोत्तर (प्रगतिवादी) युग का काल है-
(a) 1850-1885 ई० (b) 1900-1918 ई०
(c) 1919-1938 ई० (d) 1938-1947 ई०

17. 'दादा कामरेड' किस युग की रचना है?
(a) भारतेन्दु युग (b) द्विवेदी युग
(c) प्रगतिवादी युग (d) स्वातन्त्र्योत्तर युग

18. वर्तमान या स्वातन्त्र्योत्तर युग कब से आरम्भ माना जाता है?
(a) 1919 से (b) 1938 से
(c) 1947 से (d) 1950 से

19. 'गुनाहों के देवता' उपन्यास के लेखक हैं-
(a) धर्मवीर भारती (b) अमृतलाल नागर
(c) मोहन राकेश (d) जैनेन्द्र कुमार

20. निम्न में से कौन-सी विधा हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं में नहीं है?
(a) निबन्ध (b) उपन्यास
(c) कहानी (d) गज़ल

21. हिन्दी गद्य के प्राचीनतम प्रयोग किस भाषा में मिलते हैं?
(a) राजस्थानी व ब्रजभाषा
(b) राजस्थानी व पहाड़ी भाषा
(c) राजस्थानी व आधुनिक भाषा
(d) खड़ी बोली

22. हिन्दी गद्य का वास्तविक इतिहास कब से आरम्भ हुआ?
(a) 1850 ई० से (b) 1900 ई० से
(c) 1938 ई० से (d) 1919 ई० से

23. 'पं० प्रताप नारायण' मिश्र लेखक हैं- (*2023*)
(a) द्विवेदी युग के (b) भारतेन्दु युग के
(c) शुक्ल युग के (d) शुक्लोत्तर युग के

शुक्ल युग

24. शुक्ल युग की कालावधि है- (*2023*)
(a) 1850 ई० से 1900 तक (b) 1900 ई० से 1920 तक
(c) 1919 ई० से 1938 तक (d) 1938 ई० से 1947 तक

25. शुक्ल युग के सशक्त आलोचक एवं निबन्धकार का नाम है-
(a) रामचन्द्र शुक्ल (b) प्रतापनारायण मिश्र
(c) राधाचरण गोस्वामी (d) राधाकृष्णदा

26. निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिए- (*2021*)
(a) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के लेखक डॉ० रामकुमार वर्मा हैं।
(b) 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' उपन्यास विधा की रचना है।
(c) गोदान के लेखक प्रेमचन्द हैं।
(d) 'मित्रता' निबन्ध के लेखक डॉ० श्यामसुन्दर दास हैं।

27. शुक्ल युग के प्रमुख इतिहासकार हैं- (*2015*)
(a) डॉ० नगेन्द्र (b) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(c) बाबू गुलाबराय (d) इनमें से कोई नहीं

28. निम्न में से शुक्ल युग का नाटककार है-
(a) हरिकृष्ण 'प्रेमी' (b) लक्ष्मीनारायण मिश्र
(c) विष्णु प्रभाकर (d) धर्मवीर भारती

29. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के लेखक हैं- (*2023*)
(a) हरिकृष्ण प्रेमी (b) जयशंकर प्रसाद
(c) विष्णु प्रभाकर (d) मोहन राकेश

30. गोदान किस युग का उपन्यास है?
(a) शुक्ल युग (c) द्विवेदी युग
(b) शुक्लोत्तर युग (d) आधुनिक युग

31. महादेवी वर्मा द्वारा रचित निबन्ध है-
(a) रेती के फूल (c) हंस
(b) क्षणदा (d) कादम्बिनी

32. मुंशी प्रेमचन्द द्वारा सम्पादित पत्रिकाएँ हैं-

(*a*) मर्यादा और हंस (*b*) छाया और प्रभा
(*c*) सुधा और हंस (*d*) सरस्वती

33. रायकृष्ण दास निम्न में से कौन थे?

(*a*) निबन्धकार (*c*) गद्य गीतकार
(*b*) आलोचक (*d*) कवि

34. कृति कंकाल के लेखक हैं- (*2021, 22, 23*)

(*a*) जयशंकर प्रसाद (*c*) रामकुमार वर्मा
(*b*) मुंशी प्रेमचन्द (*d*) मैथिलीशरण गुप्त

35. हरिभाऊ उपाध्याय द्वारा रचित निबन्ध कौन-सा है?

(*a*) साहित्य देवता (*b*) साहित्यावलोकन
(*c*) साधना के पथ पर (*d*) ध्रुवस्वामिनी

36. 'मेरा परिवार' रेखाचित्र किसकी कृति है? (*2021, 22, 23*)

(*a*) प्रेमचन्द (*b*) लल्लूलाल
(*c*) महादेवी वर्मा (*d*) रामकुमार शर्मा

37. 'रस मीमांसा' के लेखक हैं-

(*a*) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (*b*) गुलाबराय
(*c*) भगवतशरण उपाध्याय (*d*) जयप्रकाश भारती

38. 'राज्यश्री' के रचनाकार का नाम है-

(*a*) गुलाबराय (*b*) जयशंकर प्रसाद
(*c*) जयप्रकाश भारती (*d*) इनमें से कोई नहीं

39. गुलाबराय द्वारा रचित आत्मकथा कौन-सी है?

(*a*) मेरा जीवन-प्रवाह (*b*) मन की बातें
(*c*) मेरी असफलताएँ (*d*) नई पौध

40. 'आचार्य रामचन्द्र' शुक्ल किस युग के लेखक है? (*2023*)

(*a*) शुक्ल युग (*b*) द्विवेदी युग
(*c*) शुक्लोत्तर युग (*d*) भारतेन्दु युग

41. 'शुक्ल युग' का नामकरण किस विद्वान के नाम पर किया गया है? (*2023*)

(*a*) वंशीधर शुक्ल (*b*) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(*c*) बैकुठनाथ शुक्ल (*d*) रामचरण शुक्ल

42. 'सेवासदन' उपन्यास के लेखक है- (*2023*)

(*a*) जैनेन्द्र (*b*) यशपाल
(*c*) प्रेमचन्द (*d*) जयशंकर प्रसाद

43. 'शुक्ल युग' के नाटककार निम्नलिखित में से कौन नहीं है?(*2023*)

(*a*) जयशंकर प्रसाद (*b*) डॉ० रामकुमार वर्मा
(*c*) हरिकृष्ण प्रेमी (*d*) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

44. 'चिन्तामणि' के रचयिता हैं- (*2023*)

(*a*) डॉ० रामकुमार वर्मा (*b*) जयशंकर प्रसाद
(*c*) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (*d*) प्रेमचन्द

45. 'पंच परमेश्वर' कहानी के लेखक हैं- (*2023*)

(*a*) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (*b*) प्रेमचन्द
(*c*) यशपाल (*d*) राजेन्द्र यादव

46. जयशंकर प्रसाद का नाटक नहीं है- (*2023*)

(*a*) ध्रुवस्वामिनी (*b*) चन्द्रगुप्त
(*c*) लहरों के राजहंस (*d*) स्कन्दगुप्त

47. 'अपनी खबर' आत्मकथा है- (*2023*)

(*a*) पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' की
(*b*) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद की
(*c*) हरिवंशराय 'बच्चन' की
(*d*) श्यामसुन्दर दास की

48. 'पंचांग दर्शन' के रचनाकार कौन हैं? (*2023*)

(*a*) मथुरानाथ शुक्ल (*b*) लल्लूलाल
(*c*) सदल मिश्र (*d*) इंशा अल्ला खाँ

49. 'हंस' पत्रिका के सम्पादक थे-

(*a*) मुंशी प्रेमचन्द (*b*) जयशंकर प्रसाद
(*c*) निराला (*d*) महादेवी वर्मा

50. 'आचार्य रामचन्द्र' शुक्ल एक हैं- (*2023*)

(*a*) कवि (*b*) उपन्यासकार
(*c*) आलोचक (*d*) नाटककार

51. 'आकाश दीप' के लेखक हैं- (*2023*)

(*a*) अमरकान्त (*b*) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(*c*) जयशंकर प्रसाद (*d*) निराला

52. शुक्ल युग के प्रसिद्ध उपन्यासकार हैं- (*2023*)

(*a*) रांगेय राघव (*b*) धर्मवीर भारती
(*c*) भगवती चरण वर्मा (*d*) मन्नू भण्डारी

शुक्लोत्तर युग

53. उपन्यास 'भूले-बिसरे चित्र' के लेखक हैं- (*2021, 22*)

(*a*) प्रेमचन्द (*c*) यशपाल
(*b*) भगवतीचरण वर्मा (*d*) वृन्दावनलाल वर्मा

54. निम्न में से शुक्लोत्तर युग के साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ हैं-

(*a*) इस युग का साहित्य मार्क्सवादी विचारधारा से अनुप्राणित है।
(*b*) इस युग का गद्य सहज, व्यावहारिक, सामाजिक, प्रवाहपूर्ण, विचारशीलता और विषय-वैविध्य से ओत प्रोत है।
(*c*) इस युग में अलंकारविहीन गद्य की रचना हुई।
(*d*) विकल्प (*a*) और (*b*) दोनों

55. शुक्लोत्तर युग की समय-सीमा है-

(*a*) 1938 ई० से 1980 ई० तक
(*b*) 1850 ई० से 1900 ई० तक
(*c*) 1900 ई० से 1920 ई० तक
(*d*) 1936 ई० से 1947 ई० तक

56. शुक्लोत्तर युग के प्रमुख हिन्दी आलोचक हैं- (*2014*)

(*a*) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
(*b*) पं० नन्ददुलारे वाजपेयी
(*c*) विकल्प (*a*) व (*b*) दोनों
(*d*) उपर्युक्त में से कोई नहीं

57. छायावादोत्तर युग के प्रमुख कवि का नाम है-

(*a*) रामधारी सिंह दिनकर (*b*) डॉ० नगेन्द्र
(*c*) रामचन्द्र शुक्ल (*d*) अध्यापक पूर्णीसह

58. 'कलम का सिपाही' के लेखक हैं (*2021, 22, 23*)

(*a*) अमृतराय (*b*) गुलाबराय
(*c*) मुंशी इंशा अल्ला खाँ (*d*) वैद्यनाथ मिश्र

86. 'त्यागपत्र' किस विधा की रचना है? (*2023*)
(*a*) जीवनी (*b*) उपन्यास
(*c*) नाटक (*d*) निबन्ध

87. 'झूठा सच' किस विधा की रचना है? (*2023*)
(*a*) निबन्ध (*b*) कहानी
(*c*) उपन्यास (*d*) नाटक

88. 'नीड़ का निर्माण फिर' किस विधा की रचना है- (*2023*)
(*a*) कहानी (*b*) आत्मकथा
(*c*) उपन्यास (*d*) निबन्ध

89. 'तितली' कृति की विधा है- (*2023*)
(*a*) कहानी (*b*) जीवनी
(*c*) उपन्यास (*d*) नाटक

90. 'भारत-दुर्दशा' किस विधा की रचना है? (*2023*)
(*a*) जीवनी (*b*) आत्मकथा
(*c*) रेखाचित्र (*d*) एकांकी

91. 'स्मृति की रेखाएँ' साहित्य की विधा है- (*2023*)
(*a*) जीवनी (*b*) भेटवार्ता
(*c*) संस्मरण (*d*) नाटक

92. 'बादल की मृत्यु' किसकी रचना हैं? (*2025*)
(*a*) उपेन्द्रनाथ 'अश्क' की (*b*) रामकुमार वर्मा की
(*c*) जयशंकर प्रसाद की (*d*) भारतेन्दु हरिश्चद्र की

93. किस कहानीकार की कहानियाँ 'मानसरोवर' नाम से आठ भागों में संकलित हैं? (*2025*)
(*a*) जयशंकर प्रसाद की (*b*) शिवपूजन सहाय की
(*c*) भगवतीचरण वर्मा की (*d*) प्रेमचंद की

94. 'शेखर: एक जीवनी' उपन्यास के लेखक हैं- (*2025*)
(*a*) नागार्जुन (*b*) प्रेमचंद
(*c*) 'अज्ञेय' (*d*) जैनेन्द्र

95. 'अरे यायावर रहेगा याद' की विधा है- (*2025*)
(*a*) नाटक (*b*) उपन्यास
(*c*) यात्रा-साहित्य (*d*) कविता

96. हरिवंश राय 'बच्चन' द्वारा लिखी आत्मकथा के 4 भागों में सम्मिलित नहीं हैं- (*2025*)
(*a*) मेरी आत्मकहानी (*b*) क्या भूलूँ क्या याद करूँ
(*c*) बसेरे से दूर (*d*) नीड़ का निर्माण फिर

97. 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' रचना की विधा है: (*2025*)
(*a*) संस्मरण (*b*) आत्मकथा
(*c*) जीवनी (*d*) कहानी

98. 'लिखि कागद कोरे' रचना के लेखक हैं: (*2025*)
(*a*) शान्तिप्रिय द्विवेदी (*b*) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'
(*c*) प्रभाकर माचवे (*d*) 'अज्ञेय'

99. रामचन्द्र शुक्ल की रचना है: (*2025*)
(*a*) 'त्रिवेणी' (*b*) 'समाज और साहित्य'
(*c*) 'प्रलय के पंख पर' (*d*) 'कालिदास की निरंकुशता'

100. हिन्दी साहित्य का प्रथम मौलिक उपन्यास माना जाता है: (*2025*)
(*a*) 'चित्रलेखा' (*b*) 'हृदय की परख'
(*c*) 'परीक्षा गुरु' (*d*) 'अन्तिम आकांक्षा'

उत्तरमाला

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (*b*)	**2.** (*b*)	**3.** (*d*)	**4.** (*c*)	**5.** (*b*)	**6.** (*c*)	**7.** (*c*)	**8.** (*b*)	**9.** (*a*)	**10.** (*b*)
11. (*b*)	**12.** (*b*)	**13.** (*b*)	**14.** (*b*)	**15.** (*b*)	**16.** (*d*)	**17.** (*c*)	**18.** (*c*)	**19.** (*a*)	**20.** (*d*)
21. (*a*)	**22.** (*a*)	**23.** (*b*)	**24.** (*c*)	**25.** (*a*)	**26.** (*c*)	**27.** (*c*)	**28.** (*a*)	**29.** (*b*)	**30.** (*a*)
31. (*b*)	**32.** (*a*)	**33.** (*c*)	**34.** (*a*)	**35.** (*c*)	**36.** (*c*)	**37.** (*a*)	**38.** (*b*)	**39.** (*c*)	**40.** (*a*)
41. (*b*)	**42.** (*c*)	**43.** (*d*)	**44.** (*c*)	**45.** (*b*)	**46.** (*c*)	**47.** (*a*)	**48.** (*a*)	**49.** (*a*)	**50.** (*b*)
51. (*c*)	**52.** (*c*)	**53.** (*b*)	**54.** (*d*)	**55.** (*a*)	**56.** (*c*)	**57.** (*a*)	**58.** (*a*)	**59.** (*d*)	**60.** (*a*)
61. (*c*)	**62.** (*a*)	**63.** (*a*)	**64.** (*c*)	**65.** (*a*)	**66.** (*b*)	**67.** (*b*)	**68.** (*a*)	**69.** (*b*)	**70.** (*a*)
71. (*c*)	**72.** (*d*)	**73.** (*b*)	**74.** (*c*)	**75.** (*b*)	**76.** (*a*)	**77.** (*a*)	**78.** (*c*)	**79.** (*d*)	**80.** (*b*)
81. (*c*)	**82.** (*a*)	**83.** (*b*)	**84.** (*c*)	**85.** (*b*)	**86.** (*b*)	**87.** (*c*)	**88.** (*b*)	**89.** (*c*)	**90.** (*d*)
91. (*c*)	**92.** (*b*)	**93.** (*d*)	**94.** (*c*)	**95.** (*c*)	**96.** (*a*)	**97.** (*b*)	**98.** (*d*)	**99.** (*a*)	**100.** (*c*)

अभ्यास प्रश्न-पत्र 2025

2

निर्धारित समय: 3 घंटे 15 मिनट **पूर्णांकरू 70**

सामान्य निर्देश:

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

(ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(iii) यह प्रश्नपत्र दो खण्डों, खण्ड अतथा खण्ड- ब में विभक्त है।

(iv) खण्ड अ में 1 अंक के 20 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिनके सही उत्तर ओ० एम० आर० उत्तर पत्रक पर नीले अथवा काले बाल प्वाइंट कलम से सही विकल्प वाले गोले को पूर्ण रूप से काला कर चिह्नित करें।

(v) खण्ड अ के प्रत्येक प्रश्न का निर्देश पढ़कर केवल प्रदत्त ओ० एम० आर० उत्तर पत्रक पर ही उत्तर दें। ओ० एम०आर० ह्वाइटनर का प्रयोग न करें। उत्तर पत्रक पर उत्तर देने के पश्चात उसे नहीं काटें तथा इरेजर अथवा

(vi) प्रश्न के अंक उसके सम्मुख अंकित हैं।

(vii) खण्ड ब में 50 अंक के वर्णनात्मक प्रश्न हैं।

(viii) खण्ड ब में सभी प्रश्नों के उत्तर एक साथ ही करें।

(ix) प्रथम प्रश्न से आरम्भ कीजिए तथा अन्तिम प्रश्न तक करते जाइए। जो प्रश्न न आता हो उस पर समय नष्ट न कीजिए।

खण्ड-अ

(बहुविकल्पीय प्रश्न)

1. 'पृथ्वी राज रासो' के रचयिता का नाम क्या है? **(1)**
(*a*) नरपतिनाल्ह (*b*) दलपति विजय
(*c*) मुंज (*d*) चंदबरदाई

2. आधुनिक युग के प्रवर्तक और पथप्रदर्शक किसे माना जाता है? **(1)**
(*a*) भारतेंदु हरिश्चंद (*b*) तुलसीदास
(*c*) मैथिलीशरण गुप्त (*d*) नागार्जुन

3. आधुनिक काल का समय कब से कब तक का माना जाता है? **(1)**
(*a*) 1900 से अब तक (*b*) 1700 से अब तक
(*c*) 1375 से 1700 तक (*d*) 1700 से 1900 तक

4. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी 'सरस्वती' के संपादक कब बने? **(1)**
(*a*) 1900 (*b*) 1902
(*c*) 1903 (*d*) 1905

4. रीतिकालीन कविता का आरम्भ केशवदास की किस रचना 5. से माना जाता है? **(1)**
(*a*) रामचंद्रिका (*b*) रसिकप्रिया
(*c*) विज्ञान गीता (*d*) कविप्रिया

5. रीतिकालीन कविता का आरम्भ केशवदास की किस रचना से माना जाता है? **(1)**
(*a*) रामचंद्रिका (*b*) रसिकप्रिया
(*c*) विज्ञान गीता (*d*) कविप्रिया

6. महादेवी वर्मा की रचना श्अतीत के चलचित्र कैसा संग्रह है? **(1)**
(*a*) कहानी संग्रह (*b*) उपन्यास
(*c*) निबंध संग्रह (*d*) संस्मरणों का संग्रह

7. चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' की सुविख्यात कहानी कौन-सी है? **(1)**
(*a*) छाया (*b*) उसने कहा था
(*c*) बड़े घर की बेटी (*d*) शतरंज के खिलाड़ी

8. 'सतसई' किसकी रचना है? **(1)**
(*a*) केशव (*b*) बिहारी
(*c*) घनानद (*d*) रत्नाकर

9. सूफी कवि किस शाखा से संबंधित थे? **(1)**
(*a*) ज्ञानाश्रयी (*b*) प्रेमाश्रयी
(*c*) रामभक्ति (*d*) कृष्णभक्ति

10. निम्न विकल्पों में से कौन-सा धर्मवीर भारती द्वारा रचित सुप्रसिद्ध नाटक है? **(1)**
(*a*) सूरज का सातवाँ घोड़ा (*b*) गुनाहों का देवता
(*c*) अंधा युग (*d*) देशांतर

11. सूरदास की कौन-सी रचना उपालंभ काव्य का श्रेष्ठ उदाहरण है? **(1)**
(*a*) सूरसागर (*b*) भ्रमरगीत
(*c*) साहित्यलहरी (*d*) नल-दमयंती

सर्वे पशव: वने मिलित्वा वसन्ति। तत्र एका नदी अपि वहति। नद्या: जलम् स्वच्छम् अस्ति। तत्र सर्वे पशव: मिलित्वा जलम् पिबन्ति।

24. निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भसहित हिन्दी-अनुवाद कीजिए- **(2 + 3 = 5)**

(क) नीर-क्षीर-विवेके हन्सालस्यं त्वमेव तनुषे चेत्। विश्वस्मिन्नधुनान्य: कुलव्रतं

अथवा

(ख) सपत्नि-परित्राणं प्रमोद: सदा स्वधा। धन्य: स्यात् सदा धर्मे आत्मवृद्धिरितीव हि।।

25. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए-

(क) (i) श्जय सुभाषश खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग और तृतीय सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के अद्धर पर सुभाषचंद्र बोस का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ख) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(ग) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर षष्ठ सर्ग 'राम-भारत-मिलन' का सारांश लिखिए।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर कैकयी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधी जी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ड) (i) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए।

(ii) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य की कथा संक्षेप में लिखिए।

(च) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर पं जवाहरलाल नेहरू का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य की कथा संक्षेप में लिखिए।

(छ) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(ज) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग 'श्रीकृष्ण और कण' का सारांश लिखिए।

(झ) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य की कथा का संक्षेप में वर्णन लिखिए।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के प्रमुख पत्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

26. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए, उनकी किसी एक रचना का उल्लेख कीजिए- **(3 + 2 = 5)**

(i) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(ii) रामधरी सिंह 'दिनकार'
(iii) जयप्रकाश भारती

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन- परिचय दीजिए तथा उनकी किसी एक रचना का उल्लेख कीजिए-

(i) तुलसीदास
(ii) विहारीलाल
(iii) महादेवी वर्मा

27. अपनी पाठ्यपुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए, जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो। **(2)**

28. आपके विद्यालय के पुस्तकालय में हिन्दी की पुस्तकों एवं पत्र-पत्रिकाओं का अभाव है। इन्हें मँगाने का अनुरोध करते हुए अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए। **(4)**

अथवा

अखिल भारतीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार विजेता मित्र को एक बधाई-पत्र लिखिए।

29. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए- **(1 + 1 = 2)**

(i) कुत्र मरणं मंगलं भवति ?
(ii) ग्रामीणान क: उपाहसत ?
(iii) विद्या न वर्धते ?

30. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए-

(i) पर उपदेश कुशाल बहुतेरे
(ii) मेरी प्रिय पुस्तक
(iii) जीवन में अनुशासन का महत्त्व
(iv) किसी मेले का आँखों देखा वर्णन

उत्तरमाला

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (*d*)	**2.** (*a*)	**3.** (*a*)	**4.** (*c*)	**5.** (*b*)	**6.** (*d*)	**7.** (*b*)	**8.** (*b*)	**9.** (*b*)	**10.** (*c*)
11. (*b*)	**12.** (*c*)	**13.** (*c*)	**14.** (*a*)	**15.** (*c*)	**16.** (*c*)	**17.** (*d*)	**18.** (*a*)	**19.** (*c*)	**20.** (*d*)

अनुक्रमांक ....

प्र.प.कोड 801(BB)

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

901

प्रश्न-पत्र 2025

हिन्दी

निर्धारित समय: 3 घंटे 15 मिनट **पूर्णांकरू 70**

सामान्य निर्देश:

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

(ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(iii) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों -खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' में विभाजित है।

(iv) इस प्रश्न-पत्र के खण्ड 'अ' में 20 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं, जिसमें दिये गए चार विकल्पों में से सही विकल्प का चयन करके ओ. एम. आर. उत्तर-पत्रक पर नीले अथवा काले बॉल प्वाइंट पेन से सही विकल्प वाले गोले को अच्छी तरह रंगकर देना है।

(v) खण्ड 'अ' के बहुविकल्पीय प्रश्नों हेतु प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित हैं। बहुविकल्पीय प्रश्नों हेतु नकारात्मक अंकन की व्यवस्था नहीं है। अत: सभी प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास कीजिए।

(vi) ओ. एम. आर. शीट पर उत्तर देने के पश्चात संबंधित गोले को काटे नहीं तथा इरेजर एवं ह्वाइटनर का प्रयोग न करें।

(vii) प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख उनके निर्धारित अंक दिये गये हैं।

(viii) खण्ड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गये हैं। इसके लिए कुल 50 अंक निर्धारित हैं।

(ix) खण्ड 'ब' के प्रश्नों के उत्तर यथासंभव क्रमानुसार लिखने का प्रयास कीजिए। जो प्रश्न नहीं आता हो उस पर समय नष्ट मत कीजिए।

(x) वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देते समय सुन्दर, स्पष्ट एवं पठनीय लेखन पर विशेष ध्यान दीजिए।

खण्ड-अ

(बहुविकल्पीय प्रश्न)

1. 'बादल की मृत्यु' किसकी रचना हैं? **(1)**

A. उपेन्द्रनाथ 'अश्क' की B. रामकुमार वर्मा की

C. जयशंकर प्रसाद की D. भारतेन्दु हरिश्चद्र की

2. किस कहानीकार की कहानियाँ 'मानसरोवर' नाम से आठ भागों में संकलित हैं? **(1)**

A. जयशंकर प्रसाद की B. शिवपूजन सहाय की

C. भगवतीचरण वर्मा की D. प्रेमचंद की

3. 'शेखर: एक जीवनी' उपन्यास के लेखक हैं- **(1)**

A. नागार्जुन B. प्रेमचंद

C. 'अज्ञेय' D. जैनेन्द्र

4. 'अरे यायावर रहेगा याद' की विधा है- **(1)**

A. नाटक B. उपन्यास

C. यात्रा-साहित्य D. कविता

5. हरिवंश राय 'बच्चन' द्वारा लिखी आत्मकथा के 4 भागों में सम्मिलित नहीं हैं- **(1)**

A. मेरी आत्मकहानी B. क्या भूलूँ क्या याद करूँ

C. बसेरे से दूर D. नीड़ का निर्माण फिर

6. रीतिकाल की काव्यभाषा है **(1)**

A. खड़ीबोली B. ब्रजभाषा

C. भोजपुरी D. मैथिली

7. कवि भूषण की रचना नहीं है (1)

A. रामचन्द्रिका B. शिवराज भूषण

C. शिवा बावनी D. छत्रसाल दशक

8. 'द्विवेदी युग' नामकरण किस साहित्यकार के नाम के आधार पर किया गया है? (1)

A. हजारीप्रसाद द्विवेदी B. सोहनलाल द्विवेदी

C. रघुवीरप्रसाद द्विवेदी D. महावीरप्रसाद द्विवेदी

9. 'तार सप्तक' के कवियों को 'अज्ञेय' ने क्या कहकर संबोधित किया है? (1)

A. 'राहों के अन्वेषी' B. 'नई धारा के साथी'

C. 'साहित्य सहचर' D. 'पथ के साथी'

10. 'धूप के धान' रचना किसकी है? (1)

A. धर्मवीर भारती B. गिरिजा कुमार माथुर

C. भवानी प्रसाद मिश्र D. रघुवीर सहाय

11. 'करूण रस' का स्थायी भाव है? (1)

A. निर्वेदी B. रति

C. रौद्र D. शोक

12. ''चमचमात चंचल नयन, बिच घूँघट पट झीन ।
मानहुँ सुरसरिता-विमल-जल दृग उछरत जुग मीन ।।''
उपर्युक्त दोहें में अलंकार है: (1)

A. उपमा B. श्लेष

C. उत्प्रेक्षा D. यमक

13. 'रोला' छंद किस प्रकार का छंद है? (1)

A. विषम B. सम

C. अर्धसम D. उपर्युक्त में से कोई नहीं

14. 'अध्यक्ष' में प्रयुक्त उपसर्ग है- (1)

A. अधि B. अध

C. यक्ष D. उपर्युक्त सभी

15. जिस समास का पहला पद संख्यावाची हो और उससे समुदाय का बोध होता है, उसे कहते है- (1)

A. अव्ययीभाव समास B. बहुव्रीहि समास

C. द्वंद्व समास D. द्विगु समास

16. 'खीर' शब्द का तत्सम रूप है (1)

A. नीर B. खीझ

C. क्षीर D. क्षेत्र

17. 'तस्मै' में विभक्ति और वचन हैं? (1)

A. चतुर्थी विभक्ति, एकवचन B. पंचमी विभक्ति, बहुवचन

C. द्वितीया विभक्ति, एकवचन D. प्रथमा विभक्ति, बहुवचन

18. जिस वाक्य से आश्चर्य, दुःख या सुख का बोध हो, उस वाक्य को कहते हैं (1)

A. नकारात्मक वाक्य B. विस्मयबोधक वाक्य

C. प्रश्नवाचक वाक्य D. संदेहवाचक वाक्य

19. 'रोहन से चला नहीं जाता।' इस वाक्य में कौन-सा वाच्य हैं?(1)

A. कर्तृवाच्य B. कर्मवाच्य

C. विशेषण वाच्य D. भाववाच्य

20. निम्नलिखित में अविकारी शब्द है- (1)

A. बालक B. पुस्तक

C. निकट D. पुराना

खण्ड-ब

(वर्णनात्मक प्रश्न)

1. निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश पर आधारित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (2 + 2 + 2 = 6)

बहुत से लोग ऐसे होते हैं, जिनके घड़ी भर के साथ से भी बुद्धि भ्रष्ट हो जाती है: क्योंकि उतने ही बीच में ऐसी-ऐसी बातें कही जाती हैं, जो कानों में न पड़नी चाहिए, चित्त पर ऐसे प्रभाव पड़ते हैं, जिनसे उसकी पवित्रता का नाश होता है। बुराई अटल भाव धारण करके बैठती है। बुरी बातें हमारी धारणा में बहुत दिनों तक टिकती हैं। इस बात को प्रायः सभी लोग जानते हैं कि भद्दे व फूहड़ गीत जितनी जल्दी ध्यान पर चढ़ते हैं, उतनी जल्दी कोई गंभीर या अच्छी बात नहीं।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) किस प्रकार की बातों का प्रभाव व्यक्ति पर जल्दी होता है?

अथवा

FREQUENTLY ASKED QUESTIONS (FAQs)

1 परीक्षा की कुल अवधि क्या है?
परीक्षा की कुल अवधि 3 घंटे 15 मिनट है (पहले 15 मिनट प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए और शेष 3 घंटे उत्तर लिखने के लिए)।

2 सैद्धांतिक और आंतरिक मूल्यांकन के बीच अंकों का वितरण कैसे होता है?
सैद्धांतिक प्रश्नपत्र 70 अंकों का होता है, और आंतरिक मूल्यांकन 30 अंकों का होता है।

3 सैद्धांतिक प्रश्नपत्र में किस प्रकार के प्रश्न सम्मिलित होते हैं?
प्रश्नपत्र में बहुविकल्पीय प्रश्न और वर्णनात्मक प्रश्न शामिल होते हैं।

4 न्यूनतम उत्तीर्ण होने का मापदंड क्या है?
उत्तीर्ण होने के लिए छात्रों को प्रत्येक विषय में कम से कम 33% अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

5 अद्यतन और सूचनाओं के लिए आधिकारिक वेबसाइट कौन सा है?
अद्यतन और सूचनाओं के लिए उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (UPMSP) का आधिकारिक वेबसाइट upmsp.edu.in है।

6 क्या उत्तर पुस्तिकाओं की पुनर्जांच या पुनर्मूल्यांकन हो सकता है?
हाँ। यूपी बोर्ड कक्षा 10 के विद्यार्थी, परिणाम घोषित होने के बाद आधिकारिक समय-सीमा के भीतर प्रति विषय लगभग ₹500 का शुल्क देकर अंकों की गणना या मूल्यांकन में हुई त्रुटियों की पुनर्जांच के लिए आवेदन कर सकते हैं।

MORE BOOKS IN THE SERIES

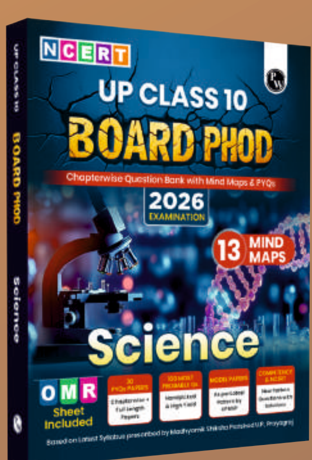

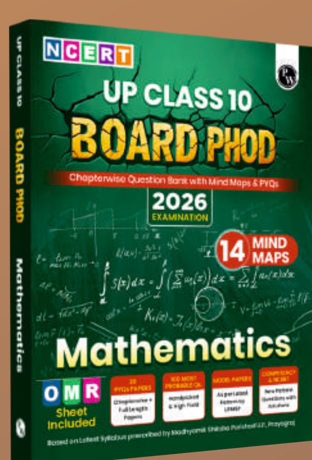

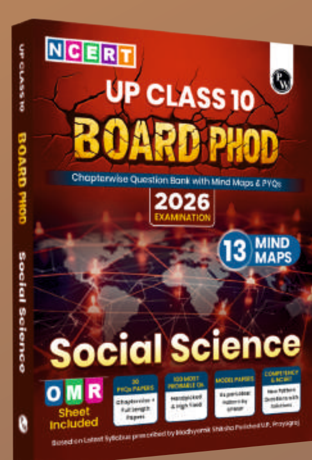

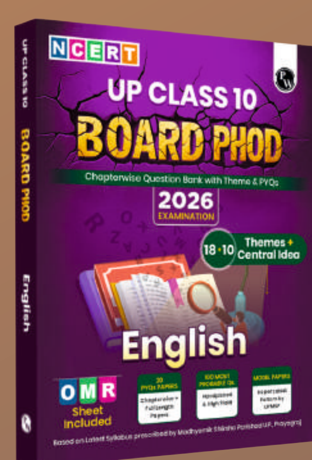

₹ 150/-

PHYSICS WALLAH PUBLICATION

To Buy PW Books — SCAN ME!

To share Feedback — SCAN ME!

ISBN 978-93-7153-950-0
9 789371 539500

a9e2869e-170e-45dd-911a-59fb8069e7bf